समीकरण $C = A + BY_d$ में, आश्रित चर में परिवर्तन को दर्शाने वाला गुणांक है → B.

247. 1. प्राथमिक वित्तीय बजार नए वित्तीय दावों का कारोबार करता है।
2. वह बचत जुटाता है और व्यवसायिक इकाईयों को नयी पूँजी की पूर्ति करता है।

248. 1. मुद्रा वर्तमान तथा भविष्य के बीच की एक कड़ी है।
2. मुद्रा मूल्य का संचय है।

249. 1. बोमोल के अनुसार, नकदी की लेनदेन मांग लेन देनों के परिमाण के वर्गमूल के हिसाब से घटती बढ़ती है।
2. मुद्रा की लेनदेन मांग आय का एक फलन है।

250. 1. कीन्स के अनुसार, किसी अर्थव्यवस्था में रोजगार का स्तर GNP का फलन होता है।
2. GNP समग्र मांग द्वारा निर्धारित होती है जो स्वयं गृहस्थियों के उपभोग तथा व्यवसाय के निवेश ~~द्वारा~~ निर्णयों ~~द्वारा~~ पर निर्भर करती है।

251. 1. SLR के वर्तमान स्तर में चरणबद्ध तरीके से कमी करने ~~की~~ से वाणिज्यिक बैंकों के पास सामाजिक ऋणदान के लिए अपेक्षाकृत अधिक निधियां उपलब्ध होगी।
2. वाणिज्यिक बैंक सामाजिकशील संस्थाएं है।

शिक्षक - रवि शंकर राय

दिनांक - 05-08-2020

विषय - अर्थशास्त्र

वर्ग - M.A - II

रोजगार का सिद्धान्त

Objective

कैन्स के अनुसार बचत और निवेश परिभाषाओं के अनुसार सदैव बराबर होते हैं। पर वे जब बराबर नहीं होते हैं तो असाम्य उत्पन्न हो जाता है। दोनों कथनों में सामंजस्य किस प्रकार बांधा जा सकता है →
1. प्रत्याशित (ex-anti) या नियोजित बचत प्रत्याशित या नियोजित निवेश के बराबर है।
2. बचत और निवेश आय के साम्य स्तर पर बराबर है।
216. कीन्स के अनुसार, मंदी में नीजी निवेश प्रोत्साहित नहीं होता है।
217. ब्याज दर अनिर्धारणीय है → 1. प्रतिष्ठित सिद्धान्त के अनुसार 2. ऋण योग्य निधि सिद्धान्त के अनुसार, 3. तरलता अधिमान सिद्धान्त के अनुसार।
218. मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त सबसे पहले किसने प्रतिपादित किया था → डैवानजती।
219. "मुद्रा जो मानव जाति के लिए अनेक वरदानों का स्रोत है, यदि नियंत्रित न की जाय, तो विपत्ती और विभ्रम स्रोत हो जाती है।" यह कथन किस अर्थशास्त्री का है → D.H. रोबर्टसन।
220. मौद्रिक नीति के निर्धारित नियम के अनुसार चलना चाहिए न की विवेक के अनुसार। यह विचार दिया - एम फ्रीडमैन ने।
221. भारतीय अर्थव्यवस्था में रिजर्व मुद्रा बढ़ेगी यदि → Reserve Bank के पास शुद्ध विदेशी मुद्रा भण्डार बढ़ जाय।
222. मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त के अनुसार कीमत स्तर बढ़ता है यदि → मुद्रा की संचलन वेग बढ़ता है।
223. 1. निरपेक्ष आय परिकल्पना- केन्स से सम्बंधित है।
2. $S = -20 + 0.4Y$ और $C = 20 + 0.6Y$ समान निवेश गुणक फल देता है।
224. जब निवेश का ब्याज की दर से ऋणात्मक संबंध होता है वस्तु बजार में संतुलन ~~बजार~~ उत्पाद होता है → ब्याज के विपरीत दिशा में संबंधित।
225. गुणक का मूल्य तथा सीमान्त उपभोग प्रवृति के बीच संबंधों को बताते हुए सही है —
1. सीमान्त उपभोग प्रवृति जितनी ऊँची होगी गुणक उतना ही ऊँचा होगा
2. जब सीमान्त उपभोग प्रवृति एक होती हैं गुणक का मूल्य अनंत होगा

. राजकोषीय व्यय में वृद्धि के परिणामस्वरूप → फिलिप्स वक्र का संचलन इस प्रकार होता है कि बेरोजगारी गिरती है और मुद्रास्फीति बढ़ती है।

227. जब आय गिरती है तब तरलता अधिमान वक्र का क्या होता है → यह बायी तरफ बढ़ती है।

228. 1. यदि सरकारी व्यय बढ़ता है, तो IS वक्र दाहिनी तरफ हटती है।
2. यदि कीमत स्तर बढ़ता है तो LM वक्र बायी बायी तरफ हटती है।
3. निवेश फलन की ब्याज दर लोच जितनी अधिक होगी। IS वक्र की ब्याज दर लोच भी उतनी ही अधिक होगी।

229. एक अर्थव्यवस्था में —
रिजर्व मुद्रा = 10000 रु
मुद्रा तथा मांग जमाए = 25000 रु
मुद्रा मांग तथा सावधि जमाए = 50000 रु
राष्ट्रीय आय = 100,000 रु
इस अर्थव्यवस्था मे M1 का आय प्रचलन वेग होगा — 4.0।

230. स्फीति सहित गतिरोध (stagflation) उस स्थिति को बताता है जिसकी विशेषताए है → मुद्रा स्फीति तथा बढ़ती हुई बेरोजगारी।

231. जब मुद्रा का आंतरिक मूल्य एवं अंकित मूल्य समान है तब इसे कहा जाता है → सम्पूर्ण कार्य मुद्रा

232. मौद्रिक नीति के उपकरण में सम्मिलित नही है → उधार (रक्षांकित)।

233. M. फ्रीडमैन के अनुसार, मुद्रा के मांग का प्रमुख निर्धारक है →
1. सकल सम्पत्ति 2. विभिन्न प्रकार की परिसम्पत्तियो पर प्राप्त किये जाने वाले प्रतिफल की सापेक्षिक दर।
3. भौतिक गैर-मानवीय पूंजीगत वस्तुए तथा मानव पूंजी।

234. निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रचलन वेग को प्रभावित करता है → लेन-देन की बारम्बारता।

235. A. L.W. फिलिप्स → मजदूरी और बेरोजगारी दर के बीच ट्रेड ऑफ -
B. फिण्डले शिराज → कर देय योग्यता।
C. J. M. केन्स → तरलता जाल।
D. आर. एस. सेयर्स → केन्द्रीय बैंक।

236. निम्नलिखित में से कौन सा एक - विनिमय के समी० MV=PT के संदर्भ में सही है → यदि M को दोगुना किया जाता है, V और T को अपरिवर्तित छोड़ा जाता है तो P अवश्य दोगुना हो जाना चाहिए।

यदि प्रचलित ब्याज की दर 7% है तो ...
जो प्रतिवर्ष 60 रु दग रहा है तथा उसकी परिपक्वता केवल 1 वर्ष
बाकी है। कितना भुगतान करना होगा → 1000 × 1.07 |

238. 2000 करोड़ रुपये लागत वाली परियोजना A को MEC, 15 और
1100 करोड़ रुपये लागत वाली परियोजना B को MEC = 7 तथा
1500 करोड़ रुपये लागत वाली परियोजना C को MEC = 13 है।
यदि ब्याज की दर 8% हो तो तो निवेश का कुल संतुलन क्या
है → 1500 करोड़ रु।

239. 1. एक अर्थव्यवस्था में जहाँ उत्पादन क्षमताएँ बढ़ रही हैं, सकल ~~घरेलू~~
निजी घरेलू निवेश मूल्य ह्रास से अधिक होता है।
2. सार्वजनिक ऋण पर ब्याज राष्ट्रीय आय का हिस्सा नहीं है परन्तु
वह व्यक्तिगत आय में जुड़ता है।
3. नये गृह का क्रय, GNP में विनियोग के एक हिस्से के रूप में सम्मिलित
होता है।

240. 1. त्वरक प्रतिरूप के अनुसार, निवेश मांग, GNP में परिवर्तन की अनुपातिक
होती है।
2. वास्तविक ब्याज की दर, नगदी ब्याज की दर तथा मुद्रास्फीति दर
का योग होती है।
3. वास्तविक ब्याज की दर जितनी ऊंची होती है, पूंजी की किराया
लागत उतनी ही ऊंची होगी।
4. निवेश एक स्टॉक संकल्पना है।

241. केन्स के उपभोग फलन के लिए सत्य है →
उपभोग में वृद्धि आय वृद्धि से ~~तीव्रता~~ कम तीव्रता से होती है।

242. निम्न में से कौन ~~सा~~ कथन निवेश गुणक के लिए सही है →
1. इसका मान सीमान्त बचत प्रवृत्ति पर निर्भर करता है।
2. यह केवल स्वायत्त निवेश के लिए क्रियाशील होता है।
3. यह आय का निवेश से संबंध स्थापित करता है।

243. मुद्रा की मांग के कीन्सीयन सिद्धान्त के अनुसार लेन-देन के लिए
मुद्रा की वास्तविक मांग होती है — 1. कीमत के प्रति लोचदार 2. आय
के प्रति लोचदार।

244. $P = \frac{K.R}{M}[c+h(1-c)]$ यह समीकरण किसका है → पीगू का।

245. समष्टि अर्थशास्त्र का संबंध है
1. वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के स्तर से।
2. सामान्य कीमत स्तर से।
3. वास्तविक उत्पादन की सम्बन्ध से।
... उपभोग।